भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 644

जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में जल ग्रिड

644. डॉ.शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर महाराष्ट्र के लातूर और धाराशिव जिले पानी की कमी से प्रभावित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार ने मराठवाड़ा क्षेत्र में जल ग्रिड विकसित करने के लिए कोई पहल की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): महाराष्ट्र में मराठवाड़ा क्षेत्र सबसे ज्यादा सूखा प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। यह एक वर्षा छाया वाला क्षेत्र है जिसमें वार्षिक वर्षा केवल 600 मिमी तक होती है और वर्षा में 30% की विषमता पाई जाती है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, इस स्थिति से निपटने के लिए, राज्य सरकार ने मराठवाड़ा क्षेत्र में एक जल ग्रिड विकसित करने की पहल की है। इस पहल के अंतर्गत, राज्य सरकार ने क्षेत्र में 11 प्रमुख बांधों को पाइपलाइन के माध्यम से जोड़ने की योजना बनाई है जिससे कि आवश्यकतानुसार एक बांध से दूसरे बांध तक पानी पहुंचाया जा सके। महाराष्ट्र सरकार द्वारा आगे दी गई सूचना के अनुसार, जल जीवन मिशन के तहत इस क्षेत्र में 8 जलापूर्ति ग्रिड योजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो मराठवाड़ा ग्रिड का हिस्सा है।

आगे उल्लेख किया जाता है कि भारत सरकार ने वर्ष 1980 में जल-समृद्ध बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों/क्षेत्रों में जल अंतरण के लिए एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी। एनपीपी के अंतर्गत, नदियों को परस्पर जोड़ने वाली 30 परियोजनाओं की पहचान की गई है। आईएलआर परियोजनाओं का कार्य, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) को सौंपा गया है। एनपीपी के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य को लाभ पहुंचाने के लिए दमनगंगा - पिंजाल आईएलआर परियोजना और पार - तापी - नर्मदा आईएलआर परियोजना की परिकल्पना की गई है।

इसके अतिरिक्त, एनडब्ल्यूडीए को, महाराष्ट्र राज्य से 20 अंतर-राज्य लिंक प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। इन 20 लिंक प्रस्तावों में से, 3 प्रस्ताव अर्थात वैनगंगा-मंजरा घाटी अंतर-राज्य लिंक, ऊपरी कृष्णा - भीमा (6 लिंकों की प्रणाली) अंतर-राज्य लिंक, और नार-पार-गिरणा घाटी अंतर-राज्य लिंक, महाराष्ट्र राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र से संबंधित हैं। एनडब्ल्यूडीए द्वारा इन सभी अंतर-राज्य लिंक प्रस्तावों की पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) पूरी कर ली गई है और महाराष्ट्र सरकार को प्रस्तुत कर दी गई है। मराठवाड़ा क्षेत्र से संबंधित 3 अंतर-राज्य लिंक प्रस्तावों के विवरण इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	अंतर-राज्य लिंक का नाम	नदियां	लाभान्वित जिले	पीएफआर/डीपीआर की वर्तमान स्थिति
1	वैनगंगा–मंजरा घाटी	वैनगंगा और मंजरा	बीड, हिंगोली, परभणी	पीएफआर को पूरा किया गया (व्यवहार्य नहीं)
2	ऊपरी कृष्णा – भीमा (6 लिंकों की प्रणाली)	कृष्णा और भीमा	उस्मानाबाद (धाराशिव)	पीएफआर को पूरा किया गया
3	नार–पार–गिरणा घाटी	नार, पार और गिरणा	औरंगाबाद	को पूरा किया गया (व्यवहार्य नहीं)

****